Department of Hindi(PSO)

Programme specific outcome: विषय विशेष उपलब्धियां:

1. जीवन तथा मानवीय मूल्यों का ज्ञान । (कथा साहित्य और पद्य के माध्यम से)
2. भाषिक ज्ञान में बढ़ोत्तरी (भाषा-विज्ञान के सहारे) ।
3. शुद्ध हिंदी बोलने और लिखने के कौशल में बढ़ोत्तरी (सेमिनार, भाषा विज्ञान आदि के माध्यम से विद्यार्थी सिखते हैं) ।
4. इतिहास के क्रमबद्ध अध्ययन से विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य का सटीक ज्ञान प्राप्त होगा ।
5. परंपरागत साहित्य के साथ साथ आधुनिक साहित्यिक विधाओं के संमिश्रण से सम्पूर्ण हिंदी साहित्य का अध्ययन संभव होगा ।
6. प्रादेशिक असमीया साहित्य के संयोजन से आंचलिक/लोकभाषा के महत्व का ज्ञान प्राप्त होगा
7. रोजगारपरक शिक्षा प्रदान (प्रयोजनमूलक हिंदी, पत्रकारिता अनुवाद आदि पाठ्यक्रम के जरिए व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त होगा)
8. परियोजना कार्य द्वारा विद्यार्थी अपने शोध-सिद्धांत के नींव को मजबूत कर पाते हैं । (आगे जाकर उसे एम. फिल. और पी एच. डी. के प्रयोग में लाते हैं) ।

.....

Core Course outcome (CO): All Semester (per unit) (cc) (Hindi)

HIN-CC-T6-101 हिंदी साहित्य का इतिहास:आदिकाल और मध्यकाल

प्रथम इकाई:

- हिन्दी इतिहास लेखन परम्परा एवं पद्धतियाँ, काल विभाजन, आदिकाल की पृष्ठभूमि/ परिस्थितियाँ एवं नामकरण की समस्या आदि की जानकारी प्राप्त होगा ।

द्वितीय इकाई:

- आदिकालीन साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, आदिकालीन साहित्य की विविध धाराएँ – रासो, सिद्ध, जैन, नाथ, लौकिक, अपभ्रंश एवं अमीर खुसरों के साहित्य का ज्ञान प्राप्त होगा ।

तृतीय इकाई:

- **भक्ति आन्दोलन का एवं उसके प्रमुख धाराओं के साथ साथ कवियों का परिचय प्राप्त होगा ।**

चतुर्थ इकाई:

- **रीतिकाल की परिस्थिति एवं नामकरण के साथ साथ प्रमुख काव्यधाराएँ – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त का ज्ञान प्राप्त होगा ।**

HIN-CC-T6-102 (हिंदी साहित्य का इतिहास:आधुनिक काल)

प्रथम इकाई :

- आधुनिक काल का सीमाकंन, परिस्थितियाँ एवं नवजागरण की प्रमुख संस्थाओं (ब्रह्म समाज, आर्य समाज, प्रार्थना समाज, रामकृष्ण मिशन, थियोसोफिकेल सोसाइटि, अरविंद दर्शन) का ज्ञान प्राप्त होगा ।

द्वितीय इकाई:

- भारतेन्दु युग से लेकर प्रयोगवाद वाद तक की काव्य साहित्य के विकास की जानकारी प्राप्त करना ।

तृतीय इकाई:

- आधुनिक गद्य विधाएँ जैसे निबंध, नाटक, एकांकी, कहानी, उपन्यास आदि का परिचय प्राप्त ।

चतुर्थ इकाई:

- संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोतार्ज, जीवनी, आत्मजीवनी जैसे नवीन साहित्यिक विधाओं से रूबरू हो पायेंगे ।

HIN-CC-T6-201 आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

प्रथम इकाई:

- विद्यापति, सूरदास और तुलसीदास के महत्वपूर्ण पदों का अध्ययन होगा, जहाँ विद्यार्थियों को क्षृंगार, भक्ति और विनय का संगम पढ़ने का अवसर प्राप्त होगा ।

द्वितीय इकाई:

- यहाँ निर्गुण भक्ति का समावेश हैं, कबीर के वाणी के साथ साथ जायसी के विरह वर्णन का आस्वादन किया जाएगा ।

तृतीय इकाई:

- मीराबाई और रहीम के पदों के माध्यम से कृष्ण की उपासना का महत्त्व प्राप्त होगा ।

चतुर्थ अध्याय:

- बिहारी और घनानन्द के माध्यम से रीतिकाल के काव्य सौन्दर्य का आभास प्रदान किया जाएगा ।

HIN-CC-T6-202 आधुनिक हिंदी काव्य

प्रथम इकाई:

- भारतेन्दु मैथिलीशरण गुप्त तथा छायावाद के चार स्तम्भ प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी के प्रमुख कविताओं का अध्ययन।

द्वितीय इकाई:

- रामधारी सिंह दिनकर, नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल के कविताओं विश्लेषण ।

तृतीय इकाई:

- अज्ञेय, गिरिजा कुमार माथुर एवं भवानी प्रसाद मिश्र के काव्य की चर्चा ।

चतुर्थ इकाई:

- रघुवीर सहाय एवं सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के नवीन संरचनात्मक काव्य का ज्ञानलाभ ।

HIN-CC-T6-301 हिंदी उपन्यास

प्रथम इकाई :

- प्रेमचंद लिखित 'गबन' उपन्यास के माध्यम सामाजिक समस्याओं का अध्ययन ।

द्वितीय इकाई:

- जैनेन्द्र कृत 'त्यागपत्र' के माध्यम से मनोवैज्ञानिक साहित्य का ज्ञानलाभ ।

तृतीय इकाई :

- अमृतलाल नागर सृष्ट 'मानस का हंस' के माध्यम नूतन दृष्टि लाभ ।

चतुर्थ इकाई :

- मनु भंडारी कृत प्रसिद्ध उपन्यास 'महाभोज' में निहित समाजिक सच को प्रत्यक्ष किया जाएगा ।

HIN-CC-T6-302 हिंदी कहानी

प्रथम इकाई :

- चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी' एवं प्रेमचन्द्र की कहानियों का अध्ययन ।

द्वितीय इकाई :

- प्रसाद, सुदर्शन और जैनेन्द्र के कहानियों के माध्यम से बदलते समाज व मानसिकता का अध्ययन ।

तृतीय इकाई :

- रेणु, निर्मल वर्मा के कहानियों में भिन्न स्वाद और मोहन राकेश की कहानी में देश विभाजन के समय की परिस्थिति का अध्ययन किया जाएगा ।

चतुर्थ इकाई:

- अमरकान्त, कृष्णा सोबती और ज्ञानरंजन के कहानियों के माध्यम एक नए दृष्टि से परिचित होंगे ।

HIN-CC-T6-303 भारतीय काव्यशास्त्र

प्रथम इकाई:

- काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य-गुण एवं दोष, आदि का परिचय प्रदान किया जाएगा ।

द्वितीय इकाई:

- रस का स्वरूप , रस निष्पत्ति , साधारणीकरण, अलंकार का स्वरूप , अलंकार का वर्गीकरण आदि का अध्ययन प्राप्त किया जाएगा ।

तृतीय इकाई:

- ध्वनि सिद्धांत एवं शब्दशक्ति के साथ साथ प्रमुख छंदो का परिचय : दोहा , सौरठा ,रोला कुण्डलिया ,छप्पय ,बरवै ,चौपाई) का परिचय प्राप्त होगा ।

चतुर्थ इकाई:

- रीति, वक्रोक्ति एवं औचित्य संप्रदाय की अवधारणा का अध्ययन किया जाएगा ।

HIN-CC-T6-401 हिंदी नाटक एवं एकांकी

प्रथम इकाई:

- भारतेन्दु कृत प्रसिद्ध हास्य-व्यंग नाटक 'अंधेर नगरी' का अध्ययन ।

द्वितीय इकाई:

- प्रसाद कृत 'स्कंदगुप्त' और मोहन राकेश का कालजयी नाटक 'आषाढ़ का एक दिन' का अध्ययन ।

तृतीय इकाई:

- रामकुमार वर्मा लिखित 'औरंगजेब की आख़िरी रात' और गोविंद बल्लभ पंत कृत 'विषकन्या' एकांकी का विश्लेषण ।

चतुर्थ इकाई:___

- जगदीशचंद्र माथुर सृष्ट 'भोर का तारा' एवं विष्णु प्रभाकर रचित और 'वह जा न सकी' की चर्चा।

HIN-CC-T6-402 आलोचना एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र

प्रथम इकाई:

- आलोचना की परिभाषा, विकास, अध्ययन की दृष्टियों के साथ आलोचक के गुण और दोषों का अध्ययन ।

द्वितीय इकाई:

- हिन्दी आलोचना जगत के विद्वान शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह की समीक्षा ।

तृतीय इकाई:

- पाश्चात्य समीक्षक प्लेटो, अरस्तू, लोग्जाइंस, टी. एस. इलियट आदि के काव्य सिद्धांतों की समीक्षा ।

चतुर्थ इकाई :

- आई.ए रिचड्र्स के मूल्य सिद्धांत एवं सम्प्रेषण सिद्धांत एवं विभिन्न पाश्च्यात्य वादों का अध्ययन ।

HIN-CC-T6-403 भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा__

प्रथम इकाई:

- भाषा की परिभाषा ,विशेषताएं, परिवर्तन के कारण, हिन्दी भाषा का विकास , भाषा विज्ञान का परिचय, अंग, अन्य शाखाओं से भाषा-विज्ञान का संबंध एवं हिंदी के विविध रूपों का अध्ययन ।

द्वितीय इकाई:

- ध्वनि विज्ञान – अर्थ, प्रकार , स्वर एवं व्यंजन वर्ण का विस्तृत परिचय ।

तृतीय इकाई :

- वाक्य विज्ञान का परिचय , वाक्य परिवर्तन के कारण , अर्थ विज्ञान का परिचय , शब्द और अर्थ का संबंध एवं अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाओं पर चर्चा ।

चतुर्थ इकाई:

- आधुनिक भारतीय आर्यभाषायें , पूर्वी हिंदी, पश्चिमी हिंदी एवं देवनागरी लिपि का अध्ययन ।

HIN-CC-T6-501 असमीया साहित्य का परिचयात्मक इतिहास

प्रथम इकाई:

- असमीया साहित्य का उद्भव-विकास, भक्तिकाल तथा रोमांटिक काल की विशेषताएँ, दोनों कालों के प्रमुख रचनाकार तथा उनका साहित्य आदि का सामान्य परिचय ।

द्वितीय इकाई:

- असमीया कविता-चंद्रकुमार आगरवाला, लक्ष्मीनाथ बेजबरूआ, ज्योतिप्रासाद आगरवाला, देवकान्त बरुआ, हीरेन भट्टाचार्य, कवीन फुकन आदि के कविताओं का अध्ययन ।

तृतीय इकाई:

- असमीया की प्रतिनिधि कहानियों का अध्ययन - -सैयद अब्दुल मलिक, -नगेन शइकिया, -अतुलानन्द गोस्वामी, ज्योतिदेव गोस्वामी, -भूपेन्द्र नारायण भट्टाचार्य, अरुपा पतंगीया कलिता ।

चतुर्थ इकाई:

- बरगीत की परिभाषा,स्वरूप एवं विशेषता, शंकरदेव और माधवदेव के बरगीत में निहित अंतर आदि का अध्ययन और साथ ही शंकरदेव और माधवदेव द्वारा रचित प्रमुख बरगीतों का अध्ययन व विश्लेषण ।

HIN-CC-T6-502 हिंदी निबंध, एवं अन्य गद्य विधाएँ

प्रथम इकाई:

- सरदार पूर्ण सिंह कृत 'मजदूरी और प्रेम' एवं रामचन्द्र शुक्ल कृत 'करुणा' निबंध की आलोचना

द्वितीय इकाई:

- हजारी प्रसाद द्विवेदी लिखित 'देवदारु' विद्यानिवास मिश्र कृत निबंध 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' ललित निबंधों की आलोचना ।

तृतीय इकाई:

- शिवपुजन सहाय कृत 'महाकवि जयशंकर प्रसाद' एवं रामवृक्ष बेनीपुरी सृष्ट 'रजिया' संस्मरणों की समीक्षा ।

चतुर्थ इकाई:

- डॉ नगेंद्र रचित 'दादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', माखनलाल चतुर्वेदी लिखित 'तुम्हारी स्मृति' एवं विष्णुकांत शास्त्री कृत 'यँ हैं प्रोफेसर शशांक' का अध्ययन ।

HIN-CC-T6-601 अनुवाद और साहित्यिक पत्रकारिता

प्रथम इकाई :

- अनुवाद ,स्वरूप – प्रकार, सफल अनुवादक के गुण , अनुवाद प्रयोजनीयता एवं प्रासंगिकता आदि का अध्ययन ।

द्वितीय इकाई :

- अनुवाद की प्रविधि, अनुवाद का सिद्धांत (समतुल्यता का सिद्धांत, सांस्कृतिक सेतु तथा परकाया प्रवेश सिद्धांत) और साहित्यिक एवं साहित्यिकेतर अनुवाद का अध्ययन ।

तृतीय इकाई :

- साहित्यिक पत्रकारिता , अर्थ अवधारणा, महत्व, हिन्दी पत्रकारिता उदभव-विकास और साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका पर विश्लेषण ।

चतुर्थ इकाई:

- भारतेन्दु युगीन साहित्यिक पत्रकारिता और स्वांत्रतोत्तर साहित्यिक पत्रकारिता का परिचय प्रवृत्तियाँ

HIN-CC-T6-602 प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रथम इकाई:

- हिंदी का विविध रूपों सहित मानक भाषा एवं हिंदी के मानकीकरण का अध्ययन ।

द्वितीय इकाई:

- प्रयोजनमूलक हिंदी का परिचय, सीमाएँ और संभावनाएँ, प्रयुक्तियाँ और उनके प्रयोगात्मक क्षेत्र, प्रशासनिक/ कार्यालयी हिंदी की भाषिक प्रवृति आदि का अध्ययन ।

तृतीय इकाई:

- प्रयोजनमूलक हिंदी और उसकी पारिभाषिक शब्दावली की निर्माण की प्रक्रिया एवं प्रस्तुति, कार्यालयी हिंदी की वाक्य संरचना और विशेषताओं आदि का अध्ययन ।

चतुर्थ इकाई:

- राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति, प्रशासनिक पत्राचार के भिन्न प्रकार, टिप्पण लेखन आलेखन/मसौदा आदि पर विचार ।